

“ कौन बनेगा विजयी रत्न ? ”

भगवानुवाच : बापदादा नाम नहीं चाहते हैं, नाम नहीं बताते हैं - 108 कौन हैं लेकिन उनकी चलन और चेहरा स्वतः ही प्रत्यक्ष हो। यह होम वर्क बापदादा निमित्त बच्चों को विशेष दे रहा है। ऐसे नहीं समझना कि हम जो पीछे आये हैं, टाइम की बात नहीं है, कोई समझे हमको तो थोड़ा वर्ष ही हुआ है। कोई भी लास्ट सो फास्ट और फास्ट से फर्स्ट जा सकता है, यह भी बापदादा की चैलेन्ज है, कर सकते हो। कोई भी कर सकते हो। लास्ट वाला भी हो सकता है। सिर्फ लक्ष्य पक्का रखो, करना ही है, होना ही है। जो ओटे सो अर्जुन। बापदादा रिजल्ट देखने के लिए, क्या-क्या पुरुषार्थ कर रहे हैं, कौन-कौन कर रहा है वह रिजल्ट देखने के लिए 6 मास दे रहे हैं। 6 मास रिजल्ट देखेंगे फिर फाइनल करेंगे। अब लोग कुछ देखना चाहते हैं। अभी सेवा और स्वरूप दोनों तरफ अटेन्शन चाहिए। अब साक्षात्कारमूर्त बनो। साक्षात् ब्रह्मा बाप बनो। अच्छा।

(अ. वा. 30.11.04)

108 विजयी रत्नों की निशानियां वा मुख्य विशेषतायें :-

- | | | |
|------------------------------------|--|----------------------|
| 1. सम्पूर्ण निश्चय बुद्धि | 2. सम्पूर्ण प्रीत बुद्धि | 3. सम्पूर्ण पवित्रता |
| 4. सम्पूर्ण सन्तुष्टता | 5. सम्पूर्ण मायाजीत - स्वराज्याधिकारी, कर्मेन्द्रियजीत | |
| 6. बाप समान साक्षीद्रष्टा | 7. विश्वकल्याणकारी - निरन्तर और अथक सेवाधारी | |
| 8. निराकारी, निरहंकारी, निर्विकारी | | |

पुरुषार्थ : विजयी रत्न बनने के लिए :-

1. पावरफुल अमृतवेला।
2. कम से कम 8 घण्टा याद का चार्ट।
3. हर घण्टे में कम से कम 1 मिन्ट के लिए ' मैं विजयी रत्न हूँ ' स्वमान का अभ्यास।
4. हर घण्टे स्वयं को चेक करना तथा अटेन्शन रखना।
5. रुहानी ड्रिल का बार-बार अभ्यास करना।
6. भोजन सम्पूर्ण मौन अवस्था में बाप के साथ स्वीकार करना।
7. विजय और विजयी रत्न सम्बन्धित बापदादा के महावाक्यों (मुरली) का नित्य अध्ययन करना।
8. सोने से पहले कम से कम आधा घण्टा याद की यात्रा में रह कर स्वयं का चार्ट चेक करके सोना।

चार्ट स्व उन्नति के लिए :-

1. अमृतवेले उठते ही बापदादा से “ विजयी भव ” का वरदान लिया ?
2. अमृतवेला शक्तिशाली रहा ?
3. सारे दिन अथवा हर घण्टे एक मिन्ट के लिए स्वमान में रहने का अभ्यास किया ?
4. सर्व को सम्मान दिया ? सर्व से दुआयें प्राप्त की ?
5. दृष्टि, वृत्ति सिविलाइज्ड रही ? स्वप्न तक भी पवित्रता का व्रत अखण्ड रहा ?
6. कर्मेन्द्रियों ने धोखा तो नहीं दिया ? सदा विजयी रहे ?
7. सम्पूर्ण सन्तुष्ट रहे ? कभी भी मन में क्यों, क्या का प्रश्न तो नहीं उठा ?
8. कम से कम 8 घण्टा याद का चार्ट रहा ?